प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

मुख्यमंत्री आज करेंगे पंतनगर किसान मेले का उद्घाटन

पंतनगर। ०५ अक्टूबर, २०१७। पंतनगर में ६ अक्टूबर २०१७ से प्रारम्भ होने वाले प्रसिद्ध किसान मेले का उद्घाटन उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री, श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, द्वारा किया जायेगा। गांधी मैदान में पूर्वाह्न ११:०० बजे फीता काट कर श्री रावत मेले का शुभारम्भ करेंगे, तत्पश्चात कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, एवं निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास, मेले में लगाये गये विभिन्न महाविद्यालयों एवं अन्य संस्थाओं के स्टालों का मुख्य अतिथि को भ्रमण करायेंगे। मेले का उद्घाटन समारोह गांधी हाल में आयोजित होगा, जिसमें मेला प्रांगण का भ्रमण करने के बाद श्री रावत मुख्य अतिथि के रूप में किसानों एवं अन्य उपस्थित जनों को सम्बोधित करेंगे।

निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास, ने आज मेला प्रांगण का भ्रमण कर मेले की तैयारी का अवलोकन किया। मेले में आने वाली फर्मों के स्टालों का लगाया जाना जारी है। मेले में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालय के वाह्य शोध केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त विभिन्न फर्मों द्वारा अपने-अपने उत्पादों एवं तकनीकों का प्रदर्शन किया जायेगा। मेले में बड़ी संख्या में आयी विभिन्न फर्मों द्वारा ट्रैक्टर, कम्बाइन हार्वेस्टर, पावर ट्रिलर, पावर वीडर, प्लान्टर मशीन, सब-स्वायलर, सिंचाई यंत्रों एवं अन्य आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन कर उनके बारे में जानकारी दी जायेगी। पर्वतीय क्षेत्रों हेतु छोटी मशीनों व कृषि उपकरणों की प्रदर्शनी तथा विक्रय की व्यवस्था भी होगी। इस मेले में विश्वविद्यालय द्वारा उत्पादित रबी की विभिन्न फसलों यथा गेहूं, सरसों, चना, मटर, मसूर आदि के बीजों की बिक्री की जाएगी। साथ ही विभिन्न शोध केन्द्रों द्वारा उत्पादित सब्जियों, फूलों, औषधीय व संगध पौधों, फलों इत्यादि के पौधों व बीजों की बिक्री भी की जाएगी। विभिन्न कृषि निवेश जैसे-खाद, उर्वरक, बीज, पशु आहार, पशुचिकित्सा, कीट एवं रोग के नियंत्रण हेतु रासायनिक एवं जैविक उत्पाद, नर्सरी उत्पाद इत्यादि से सम्बन्धित फर्मों द्वारा भी अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिक्री की जायेगी। इस मेले के दो-दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत किसानों को विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण भी कराया जायेगा।